हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 26 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

इनर व्हील ने बच्चों की मुलाकात

मण्डला। इनर व्हील के द्वारा सेवा भारतीय आश्रम में निवासरत बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया यहां लड़कियों को हाइजीन की जानकारी दी गई और पेड का वितरण किया गया। सरिता इसरानी ने लड़कियों को गुड टच बेड टच के बारे में जानकारी दी और उन्हें साफ सफाई से रहने का भी तरीका बताया लड़कियों की समस्याओं को देखते हुए डॉक्टर लिली एक्का बच्चों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासा और समस्याओं का निदान किया। साथ ही इलाज किए जाने की चर्चा की गई। इस दौरान इनर व्हील की जिला अध्यक्ष श्रीमति अनिता गोयल ने आश्रम में निवासरत बच्चियों को भरोसा दिलाया कि शीघ्र ही उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। पश्चात सेवा भारती आश्रम की सभी लड़कियों के लिए भोजन की व्यवस्था रखी गई और एक साथ भोजन किया गया। इस दौरान आशा चौधरी, अनिता राय, अनुराधा चौरसिया, सीमा ज्योतिषी , गीता काल्पीवार, प्रिया पमनानी, संजूलता सिंगौर सहित अन्य सदस्य महिलाएं उपस्थित रही।

अधिवक्ता अनिल यादव को पिछडा वर्ग मोर्चा के मंडल अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई

नारायणगंज। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भारतीय जनता पार्टी पिछडा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार एवं संभाग सह प्रभारी धनेश धनंजय के निर्देशानुसार श्री फग्गन सिंह कुलस्ते सांसद मंडला, कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन विधायक मंडला श्रीमती संपत्तियां उईके की सहमति से एवं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के अनुमोदन उपरांत भारतीय जनता पार्टी पिछडा वर्ग मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल यादव नारायणगंज को मनोनीत किया गया जिस पर सभी भाजपा के लोगों ने बधाई दी।

निजी स्कूलों पर सख्त निगरानी के आदेश, फिर भी नियम विरुद्ध किताबें संचालित

क्या निजी स्कूलों पर कसेगा शिकंजा

*** निरीक्षण दल गठित, अब कार्रवाई का इंतजार।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले में संचालित निजी विद्यालयों की कार्यप्रणाली पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत (शिक्षा) मंडला ने सभी नौ विकासखंडों में तीन सदस्यीय निरीक्षण दलों का गठन किया है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मंडला द्वारा आदेश जारी किया गया है।

यह कार्रवाई मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम-2020, संशोधित अधिनियम-2025 तथा स्कूल शिक्षा विभाग के शासन निर्देशों के अनुपालन में की गई है। आदेश के अनुसार निजी विद्यालयों में संबंधित बोर्ड की मान्यता के अनुरूप पाठ्यपुस्तकों का उपयोग, एनसीईआरटी/एससीईआरटी की पुस्तकों का अनिवार्य पालन, स्कूल बैग नीति-2020 का अनुपालन तथा विद्यार्थियों और अभिभावकों को किसी विशेष विक्रेता से पुस्तकें, यूनिफॉर्म, टाई, जूते, कॉपियां आदि खरीदने के लिए बाध्य नहीं किए जाने की जांच की जाएगी।

जिले के मंडला, नैनपुर, बिछिया, मवई, घुघरी, मोहगांव, निवास, नारायणगंज एवं बीजाडांडी विकासखंडों में गठित समितियों में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अध्यक्ष, विकासखंड शिक्षा अधिकारी को सदस्य तथा विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) को सदस्य बनाया गया है।

सभी निरीक्षण दलों को अपने-अपने विकासखंड के निजी विद्यालयों का निरीक्षण कर विस्तृत प्रतिवेदन जिला प्रशासन को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन का उद्देश्य निजी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता, शासन के नियमों का पालन तथा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के हितों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

हालांकि, आदेश जारी होने के बावजूद जिले के कुछ निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी/एससीईआरटी की निर्धारित पुस्तकों के स्थान पर अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें संचालित किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इस संबंध में जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी को भी दी गई है। ऐसे में अब यह अपेक्षा की जा रही है कि गठित निरीक्षण दल इन शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर यह सुनिश्चित करें कि सभी निजी विद्यालय शासन के निर्देशों का पालन कर रहे हैं या नहीं। यदि किसी विद्यालय द्वारा नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि शासन के आदेशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। समाचार लिखे जाने तक जिला शिक्षा अधिकारी से दूरभाष में संपर्क करने की कोशिश की गयी पर उनसे संपर्क नहीं हो सका।

डेयरियों और स्वीट्स दुकानों पर छापे, लिए गए सैंपल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

महाराष्ट्र में सिंथेटिक और मिलावटी दूध के कारोबार की भनक लगते ही मध्य प्रदेश खाद्य सुरक्षा प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। संयुक्त खाद्य सुरक्षा आयुक्त के कड़े निर्देशों पर मंडला जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ विशेष जांच अभियान शुरू किया गया है।

सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहंती के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने जिले की कई डेयरियों, स्वीट्स और बेकरी दुकानों पर दबिश देकर ताबड़तोड़ छापेमार कार्रवाई की। पीटेगांव स्थित दिनशा डेयरी प्राइवेट लिमिटेड से गाय के दूध का नमूना लिया गया। इसी प्रकार जलपान बेकरी एंड स्वीट्स से कुंदा व मिक्स नमकीन और जय हिंद दूध डेयरी से मिश्रित दूध व पनीर के सैंपल एकत्र किए गए।

सभी नमूनों को सील कर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। वहीं, कमियां पाए जाने पर जलपान बेकरी को धारा 32 के तहत सुधार सूचना पत्र जारी किया गया है।

जनजातीय कल्याण योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री भगत सिंह नेताम ने कहा कि जनजातीय समाज के अधिकारों, हक और विकास कार्यों को गति देने के लिए मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आयोग का गठन किए जाने से जनजातीय समाज के सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। आयोग पेसा कानून, वनाधिकार सहित जनजातीय हितों से जुड़े विषयों पर विशेष फोकस कर रहा है। वे इस दौरान जिला योजना भवन में आयोजित जनजातीय कल्याण योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान सहित जनजातीय हितों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री अरूण शुक्ला ने बताया कि जिले में पीएम जनमन योजना के तहत पीवीटीजी के 410 ग्राम चिन्हित हैं, जहां बैगा जनजाति निवासरत है। इन ग्रामों में 48,412 बैगा हितग्राही एवं 13,443 परिवार निवास करते हैं। बैठक में सबसे पहले आहार अनुदान योजना की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत आवास निर्माण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 6,793 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत 78 मार्गों में से 80 किलोमीटर सड़क निर्माण पूरा हो चुका है। 6 मल्टीपरपज सेंटर स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 5 पूर्ण हो चुके हैं तथा एक का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बैठक में पुलिस विभाग द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत 50 प्रतिशत कन्विक्शन रेट की जानकारी दी गई। उन्होंने जिले से बालिकाओं के पलायन को गंभीर विषय बताते हुए कहा कि इस मुद्दे को आयोग के स्तर पर भी उठाया जाएगा तथा पुलिस एवं संबंधित विभाग समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई करें। उन्होंने बच्चियों की सुरक्षा एवं उनके विकास के लिए विशेष प्रयास करने पर भी जोर दिया।

श्री नेताम ने किया विद्यालय और छात्रावास का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम ने अपने मंडला प्रवास के दौरान स्थानीय शिक्षण संस्थान एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, मंडला तथा अमर शहीद राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह सीनियर बालक छात्रावास, मंडला का भ्रमण कर वहाँ की शैक्षणिक व मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनके खान-पान, रहने की व्यवस्था और पढ़ाई के संबंध में जानकारी ली।

श्री नेताम ने संबंधित अधिकारियों एवं छात्रावास अधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनजातीय वर्ग के छात्रों को मिलने वाली सरकारी योजनाओं और सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो तथा परिसर में स्वच्छता एवं गुणवत्तापूर्ण माहौल हर हाल में सुनिश्चित किया जाए।

नवाचार | **1500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने दी OMR आधारित परीक्षा।**

नवाचार प्रोजेक्ट 'संकल्प' के तहत प्रथम मूल्यांकन टेस्ट

*** निशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण कोचिंग प्रतिदिन उपलब्ध कराना उद्देश्य।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला प्रशासन द्वारा जिले के होनहार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुरू किए गए नवाचार प्रोजेक्ट 'संकल्प' के अंतर्गत शनिवार को प्रथम मूल्यांकन टेस्ट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष परीक्षा में जिले के लगभग 80 विद्यालयों के 1500 से अधिक कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। उल्लेखनीय है कि बीते 11 जुलाई से संचालित इस नवाचार प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य जिले के मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं—जेईई और नीट की निशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण कोचिंग प्रतिदिन उपलब्ध कराना है। आयोजित यह परीक्षा शिक्षण के प्रथम चरण का आकलन करने और विद्यार्थियों को वास्तविक परीक्षा प्रणाली से परिचित कराने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

विद्यार्थियों को जेईई और नीट जैसी मुख्य प्रतियोगी परीक्षाओं के वास्तविक माहौल का अनुभव कराने के उद्देश्य से परीक्षा पूर्णतः ओएमआर शीट आधारित आयोजित की गई। परीक्षा की सुचिता, पारदर्शिता और त्वरित परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सभी ओएमआर शीट्स का मूल्यांकन एक विशेष मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा। मोबाइल ऐप द्वारा मूल्यांकन के पश्चात विद्यार्थियों की ग्रेडिंग तय होगी, जिसके आधार पर पूरे जिले की एक एकीकृत (कंबाइंड) मेरिट व रैंकिंग सूची जारी की जाएगी।

परियोजना की महत्ता पर प्रभारी का वक्तव्य

एपीसी एवं प्रोजेक्ट प्रभारी मुकेश पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि इस परीक्षा और जिला स्तरीय रैंकिंग से विद्यार्थियों को जिले में अपनी वास्तविक तैयारी और स्थिति का सटीक आकलन करने का अवसर मिलेगा। इससे छात्रों में आगे बढ़ने की स्वस्थ एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा विकसित होगी। निशुल्क कोचिंग और नियमित मूल्यांकन की यह व्यवस्था विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के मेधावी बच्चों के सपनों को साकार करने में मील का पत्थर साबित हो रही है।

किसानों की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

*** कृषि विभाग के अधिकारी काला बाजारी में लिप्त।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला किसान कांग्रेस के नेतृत्व में किसान भाइयों की समस्या के समाधान हेतु अपनी 3 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया। किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अखिलेश ठाकुर ने बताया कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की खेती बर्बाद करने पर आमादा है। गेहूं की खरीदी में गड़बड़ी करके किसानों को कर्जदार बनाने के बाद अब मोहन सरकार धान की खेती बर्बाद करके किसानों की कमर तोड़ने का काम कर रही है, एक तरफ ई टोकन के जरिए यूरिया वितरण को सरकार ने सट्टे की तरह बना दिया है और जिनका ई टोकन जनरेट हो भी जा रहा है उनको भी यूरिया उठाने के लिए बहुत कम समय दिया जा रहा है। इस वर्ष बारिश में देरी होने की वजह से वैसे ही किसान परेशान है और शासन की वितरण प्रणाली के भंवर में फंस कर किसान भी रात रात भर जाग कर टोकन जनरेट होने का इंतजार कर रहा है। कही इंटरनेट का नेटवर्क कमजोर है कही बिल्कुल भी नहीं मिलता इससे भी किसान को परेशानी हो रही है। प्रदेश में मूंग के उत्पादक किसान भी खरीदी के इंतजार में है जिसका सरकार द्वारा कोई प्रबंध नही किया जा रहा। किसान कांग्रेस ने आरोप लगाया कि वर्तमान की केंद्र सरकार किसानों को खेती के मालिक से मजदूर बनना चाहती है। इस हेतु प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंग चौहान के निर्देश अनुसार आज ज्ञापन के माध्यम से किसानों की आवाज सरकार तक पहुंचाई गई है। अगर सरकार द्वारा किसानों की समस्या का कोई शीघ्र समाधान नहीं निकाला जाता तो किसान कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी।

कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी अमित शुक्ला, सुरेंद्र परिहार, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश तिवारी, जयंत चौधरी, राजेश कच्छवाहा, पूर्व किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल, दीपेश बाजपेयी प्रदेश सचिव अभिनव चौरसिया, जनपद अध्यक्ष सोनू भल्लावी, संजय चौरसिया ब्लाक अध्यक्ष लखन ठाकुर, विवेक दुबे, नुरैन मंसूरी, शाहनवाज खान जावेद खान, युवा नेता मयूर चौधरी, सौरभ जंघेला, कृष्ण कुमार चौरसिया, बिन्नू चौरसिया, राहुल श्रीवास, लालू कच्छवाहा गोपाल धुर्वे, प्रकाश बैरागी, परवीन उइके अभिषेक पदवार, मिथलेश कच्छवाहा , सोनू वरकड़े, सोहन मसराम, अशोक इत्यादि बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

सालीचौका बालक हायर सेकंडरी स्कूल में विद्यार्थियो ज्ञान वर्धन संबंधी दिये गये जरूरी टिप्स

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। स्कूली बच्चों में ज्ञान वर्धन तथा जरूरी जानकारियों से अवगत कराने के लिये शासन द्वारा अनेक प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। इसी के चलते बीते हुये दिवस नगर के बालक हायर सेकेण्डरी स्कूल में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ब्लाक चीचली के काउंसलर राहुल शुक्ला के द्वारा सालीचौका के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बच्चों के साथ काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। बताया जाता है कि इस कार्यक्रम में शुक्ला ने विद्यार्थियों में किशोर अवस्था में होने वाले परिवर्तन एवं जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान से अवगत कराने के साथ साथ परेशानियों का समाधान कैसे करें विषय पर आधारित मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान उन्होंने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि जीवन में हर समस्या का सामना आत्मविश्वास से करना चाहिये। पढ़ाई के दौरान कभी कभी हमारा मन उद्देश्य से भटक जाता है और हम लापरवाह हो जाते है। किशोर अवस्था में हमें लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर कार्य करना चाहिये। इस अवसर पर प्राचार्य एस एस मरकाम सहित स्कूल स्टॉफ के सदस्य एवं छात्र उपस्थित रहे।

निजी फाइनेंस कंपनियों ने गांव गांव फैलाया अपना गोरखधंधा, ग्रामीणों को गुमराह करते हुये किया जा रहा आर्थिक शोषण

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। कुछ दिनों तक रोक लगने के बाद अब फिर क्षेत्र के गॉवों मे ऐसी निजी फाइनेंस कम्पनियों से जुड़े हाईटेक युवकों की रेडी उतर आयी है जो छोटे धंधों की शुरूआत के लिए ग्रामीण महिलाओं को ऋण देने का आश्वासन देकर अपने प्रलोभन के जाल मे गॉवों की भोली भाली अशिक्षित महिलाओं को फॅसाकर बड़े मीठे अंदाज मे उनका आर्थिक शोषण कर रहे है,हासिल जानकारी के अनुसार क्षेत्र के आसपास अनेक गांवों मे लम्बे समय से एक तथा कथित फाइनेंस कम्पनी से सम्बंधित कुछ युवक गॉव की महिलाओं को आत्मनिर्भरता का पाठ सिखाते हुए उन्हे ठगने की लगातार कोशिश कर रहे है? ज्ञात हुआ है कि उक्त कंपनी की तरफ से पति पत्नी की साथ फोटो प्रस्तुत करने पर महिलाओं को धंधा शुरू करने के लिए 8 हजार रू. लोन दिया जाता है तथा ऋण लेने वाली ग्रामीण महिला से हर हप्ते 20 रू. बीमा की राशि वसूल की जाती है? सूत्रों के अनुसार इन फाइनेंस कम्पनी से जुड़े लगभग 18-20 वर्ष के युवक हर सम्ताह ग्रामीण महिलाओं की बैठक भी करते है, जिसमें वे महिलाओं को लच्छेदार भाषा मे समझाते है कि छोटा व्यापार कर ग्रामीण महिलाएँ काफी धन कमा सकती है, विदित हुआ है कि ग्रामीण महिलाएँ इन युवकों की बाते सुनकर विभोर होकर अपने लड़कों की उम्र के फायनेंस कम्पनी के युवकों को सर कहने लगती है और उनसे ऋण लेने तैयार हो जाती है,जागरूक ग्रामवासियों के अनुसार असल मे निजी फायनेंस कम्पनी का सारा नेटवर्क शोषण के आधार पर टिका है और 5 वर्ष मे ऋण लेने वाली महिलाएँ काफी आर्थिक नुकसान मे पड़ जायेगी? उल्लेखनीय है कि पूर्व मे भी क्षेत्र मे निजी फायनेंस कम्पनियों के गोरखधंधें की बहुत सी शिकायते सामने आयी थी, लेकिन आश्चर्य की बात है कि अभी तक प्रशासन ने इन कम्पानियों की कारगुजारियों पर अंकुश लगानें की पहल नही की गई है जिसका परिणाम है कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में बाहरी लोगों द्वारा इस गोरखधंधे को लगातार बढ़ाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है।

केच व्हील वाले ट्रेक्टरों से गीली मिट्टी सड़कों पर फैलने से बन रही दुर्घटनाओं की अशंका..., अनदेखी के चलते वाहन चालकों कर रहे हैं मुश्किलों का सामना

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि क्षेत्र का अन्नदाता लगातार परेशानियों से जूझते हुये देखा जा रहा है।क्योंकि हर कार्य में उन्हें परेशानियों का सामना करते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है कि चल रहे आषाढ माह जो बारिश के लिये प्रमुख माना जाता है। मगर जरूरत के मुताबिक बारिश नही होने के कारण क्षेत्र के किसान अपने खेतों में नलकूपों से पानी भरते हुये धान रोपने की तैयारियों में जुटे हुये देखे जा रहे है। अधिकांश किसान धान के लिये अपने खेतों को ट्रेक्टरों के माध्यम से मचाते हुये तैयार करते है। मगर इस दौरान उनके द्वारा की जाने वाली चूक आमजन की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूकती है। क्योंकि हर साल देखा जाता है कि जब बारिश का मौसम यानि की किसानों का धान रोपने की शुरूआत होती है तो उनके द्वारा जिस तरह धान के खेतों को तैयार करने में उपयोग किये जाने वाले ट्रेक्टरों को सड़को पर दौड़ते हुये गिली मिट्टी फैलाई जाती है वह सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बनने के साथ साथ अनेक लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से नही चूकती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। अपने खेतों में धान लगाने के लिये वह ट्रेक्टरों के बड़े चाको में केच व्हील लगाते हुये मचाने का कार्य करने में जुटे हुये देखे जा रहे है । इस कारण चल रही है। मगर इस दौरान उनके द्वारा अपने खेतों में धान फसल रोपने के लिये तैयारी के लिये ट्रेक्टरों का उपयोग किया जाता है और वह ट्रेक्टर एक खेत से दूसरे खेत को रोड से निकलते हुये जाते है और ट्रेक्टर के चाकू से निकलने वाली कीचड सड़को पर फैलने से नही चूकती है। इस तरह सड़को पर अधिक मात्रा में गिली मिट्टी फैलते हुये देखी जा रही है जो दुर्घटनाओं का कारण बनने से नही चूक रही है? इस तरह धान के लिये खेत तैयार करने के दौरान जिस प्रकार से ट्रेक्टर खेतों में चलने के बाद निकलते हुये सड़क पर पहुंचते है तो ट्रेक्टरों के चाको में लगी हुई पूरी मिट्टी सड़क पर बिखरने के चलते वह सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनते हुये देखी जाती है। यह सच्चाई सिर्फ इस वर्ष ही नही बल्कि हर साल धान रोपने के सीजन के दौरान देखने मिलती है। जब किसानों के खेतों में धान लगाने का दौर शुरू होता है तो क्षेत्र की सड़क कीचड़ से सराबोर होने के दौरान यदि जरा सा भी पानी गिर जाता हे तो स्थिति भयानक रूप धारण कर लेती हे। यह सच्चाई बीते हुये कुछ दिनों से देखने मिल रही है जिसके कारण क्षेत्र की सड़को खेतों की गिली मिट्टी के चलते जहां तहां कीचड़ फैलने से नही चूक रही है और छोटे से लेकर बड़े वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार होते चले जा रहे है। क्योंकि क्षेत्र के किसानों द्वारा अपने खेतों में केच व्हील वाले ट्रेक्टरों का उपयोग करने के उपरांत कीचड युक्त अपने ट्रेक्टरों को जिस सड़क से निकाला जाता है उसके चलते इन ट्रेक्टरों के चाकों की कीचड़ यानि की गिली मिट्टी सड़कों पर विखरने के कारण आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा करने से नही चूकता है..? इस प्रकार की लापरवाही के चलते यदि बीते हुए वर्षो में घटित हुई घटनाओं पर गौर किया जावे तो अनेक युवाओं की मौत ट्रेक्टरों के माध्यम से फैली हुई इस कीचड़ के कारण ही हुई है और कुछ इसी प्रकार का हाल इस साल भी देखने मिलना शुरू हो चुका है। जिसके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होना आम बात होती चली जा रही है..? इस प्रकार से खेतों में कैच व्हील वाले ट्रेक्टरों के उपयोग करने में किसानों द्वारा बरती जाने वाली लापरवाही के चलते अनेकोंबार तो किसान स्वयं ही इनका शिकार होकर अपनी जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूकते है..? मगर इसके बाद जब किसान धान के लिए खेतों को तैयार करने के उपरांत कीचड़ से सने हुये अपने ट्रेक्टरों को घर या फिर दूसरे स्थान पर ले जाते है तो जिस सड़क से वह ट्रेक्टर निकलता है उस मार्ग पर कीचड़ ही कीचड़ फैल जाता है। इस स्थिति में यदि कोई दो पहिया वाहन या फिर अन्य छोटे वाहन निकलते है तो ट्रेक्टरों के द्वारा फैली इस कीचड़ के चलते छोटे वान स्लिप होने से दुर्घटना का शिकार होने से नही चूकते है। इस तरह से किसानों द्वारा बरती जा रही लापरवाही के चलते जहां आम जन के लिए खतरा पैदा हो रहा है। इसके लिये किसानो द्वारा की जाने वाली इस लापरवाही के प्रति खुद को जागरूक होने की जरूरत है। मगर इसके प्रति पूर्णरूप से उदासीनता बरती जा रही है, जिससे क्षेत्र में आये दिन घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में यह सड़को पर फैलने वाली कीचड प्रमुख रूप से दिखाई दे रही है। इस प्रकार से सड़को से कीचड़ युक्त चाक वाले ट्रेक्टरों के निकलने के चालको द्वारा बरती जा रही उदासीनता को गंभीरता लिया जावे। क्योंकि इस प्रकार से सड़कों पर फैलने वाली कीचड़ का शिकार उन लोगों के परिजन भी होने से नही बच पाते है जिनके द्वारा इस प्रकार से लापरवाही का परिचय देते हुए कीचड़ फैलाई जाती है। गौर किया जावे तो क्षेत्र की सड़को से सभी लोगों का निकलना होता है? देखा जावे तो इस समय प्रमुख रूप से सालीचौका, सांईखेड़ा, चीचली, बारहाबड़ा, सिहोरा सहित क्षेत्र के अनेक मार्गो पर कीचड़ फैली हुई दिखाई दे रही है जिसके चलते छोटे वाहनों का निकलना मुश्किल हो रहा है। क्योंकि इस प्रकार से कीचड़ फैलने के बाद जब जरा सी बारिश हो जाती है तो तो कीचडयुक्त मार्ग और भयानक हो जाते है।

आवास योजना की दूसरी किस्त समय पर नहीं डलने से हितग्राहियों के अधूरे पड़े आवास, चोरी हो रही निर्माण सामग्री

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि केन्द्र सरकार द्वारा जिस तरह कच्चे मकानों को पक्का करने से लेकर आवास हीन लोगों को मकान बनाने के लिये प्रधान मंत्री आवास योजना चलाई गई है उसके चलते हितग्राहियों के चेहरों पर मुस्कान दिखाई दिखाई देने से नही चूक रही है। शहरी क्षेत्रों के लिये शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना 0.2 के तहत नगर में अनेक लोगों के आवासों को स्वीकृति प्रदान की गई है जिससे लोगों द्वारा अपने आवासों के निर्माण की शुरूआत की गई है। मगर इस योजना के तहत जारी होने वाली फ्कस्तों में लेट लतीफी के चलते हितग्राहियों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राहियों के लिये अपना आवास बनाने के लिये टोटल 2 लाख 50 हजार रूपया की मदद तीन किस्तों में की जाती है। पहली किस्त एक लाख रूपया मकान का पिलंथ स्तर पर तथा दूसरी किस्त एक लाख रूपया मकान के लेंटर की स्थिति में पहुंचने पर तथा तीसरे व अंतिम किस्त 50 हजार रूपया आवास की छपाई के लिये प्रदान की जाती है। इस स्थिति में जिन हितग्राहियों को अभी तक प्रथम किस्त जारी की गई थी उनके द्वारा अपने आवास निर्माण कार्य को लेंटर हाईट तक पूरा करते हुये मौके पर पहुंचकर नगर पालिका की टीम द्वारा उनका फ्जयोटेक संबंधी फोटो भी निकला जा चुका है। इस कार्य को पूर्ण किये हुये महिनों का समय बीत जाने के बाद भी दूसरी किस्त जारी नही होने की स्थिति में हितग्राहियों को जहां अब बारिश के सीजन में किराये के मकानों में रहते हुये समय काटने की मजबूरी बनी हुई और उनके आवास के कार्य अधूरे पड़े हुये है। वही दूसरी ओर हितग्राहियों द्वारा अपने आवास निर्माण को लेकर को लेकर पहले ही रेत, ईट सहित अन्य सामग्री एकत्र करके रख ली गई थी। क्योंकि बारिश के दौरान रेत पर प्रतिबंध होने के कारण जहां रेत मिल पाना संभव नही हो सकता था। वही दूसरी ओर हर साल बारिश के दिनों में ईट के दामों में बढ़ोत्तरी होती है। इसी सोच के चलते हितग्राहियों द्वारा साहूकारों से पैसा लेकर सामग्री बुलाकर रखी ली गई है। मगर आवास योजना की दूसरी किस्त में हो रही देरी के चलते जहां वही सामग्री गायब होने के साथ साथ बारिश के पानी में खराब होने से नही बच पा रही है तो दूसरी ओर जो हितग्राही फ्कराये के मकानों में निवास कर रहे है। वह फ्कराया आदा करने के लिये कर्जदार बनने से नही चूक रहे है। इस तरह पहली किस्त के बाद दूसरी किस्त जारी करने में महिनों का समय बीत जाने से आवास योजना के तहत फ्हितग्राहियों के अधूरे पड़े हुये निर्माण कार्यो को लेकर जब दूसरी किस्त के संबंध में नगर पालिका में संपर्क किया जाता है तो वहां पर बताया जाता है कि हमारे यहां से तो सिर्फ फाईल भेजी जाती है। किस्त जारी होने का कार्य भोपाल से होता है। इस तरह सही मायने में देखा जावे तो आवास योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यो का लाभ लेने वाले हितग्राहियों को समय पर दूसरी किस्त जारी नही होने के कारण देश के प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही यह परेशानी का कारण बनने के साथ साथ उनका मनोबल टूटन से नही चूक रहा है। हितग्राहियों द्वारा नपा प्रशासन से अपेक्षा जताई गई है कि जिस सोच के चलते सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्याम में रखते हुये इस योजना की शुरूआत की गई उसे सोच के चलते उनकी दूसरी किस्तों का शीघ्र भुगतान कराये जावे जिससे हितग्राहियों को शासन की योजना का समय पर लाभ मिल सके और देश के प्रधानमंत्री के सपनों में चार चांद लग सके।

वृद्धावस्था पेंशन योजना के हितग्राहियों के मशीन में फिंगर नहीं आने से हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शासन द्वारा अनेक योजनायें चलाकर वृद्धों एवं गरीबों का भला करने की बात कही जा रही है वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्ध महिलाओं व पुरूषों की हालत दिन पर दिन दयनीय व पीड़ा दायक होती जा रही है। यह बात अलग है कि इस हेतु शासन ने वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की थी मगर शासन की इस योजना को पंचायत में बैठे कर्णधारों द्वारा शासन के नियमों को अनदेखा कर पात्रजनों को इसका लाभ ना देकर अपात्रों को दिया जा रहा है और इसी प्रकार शासन की कई अन्य योजनायें भाई-भतीजावाद की शिकार हो रही हैं जिसके कारण आज इन वृद्धों को शासन की अनेक योजनायें चलने के बाद भी भूखों रहने की नौबत आ रही है। शासन द्वारा वृद्धों के लिये वृद्धावस्था सुरक्षा पेंशन का फार्म निकालकर यह नियम लागू किया गया था। मगर इस योजना का लाभ अनेक निःसहाय वृद्धों को नहीं मिल पा रहा है? आम जन का आरोप है कि अधिकारियों द्वारा इन वृद्धों के आवेदनों को बिना देखे ही निरस्त कर दिया जाता हैं, विधवा महिलाओं की भी स्थिति अत्यंत दयनीय रहती है। देखने में आता है कि उन्हें भी शासन की योजनाओं से कोई फायदा नहीं मिल पाता है। क्षेत्र में अनेक विधवा महिलायें हैं जो परेशानियों के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रही हैं जिनका भला करने के उद्देश्य से शासन ने इस प्रकार की योजनायें शुरू की थी मगर देखा जा रहा है कि शासन द्वारा चलाई जा रही इस प्रकार की अनेक योजनाओं के बारे में पंचायत स्तर पर बैठे कुछ अधिकारी भाई-भतीजावाद की भेंट चढ़ाकर उन्हें पूरा कर देते हैं और पात्र हितग्रहियों को उनसे वंचित कर दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि नगर परिषदों से लेकर ग्राम पंचायतों द्वारा इन योजनाओं की राशि अनेकों माह तक बैंकों में ही पड़ी रहती है और हितग्राही इस राशि को पाने के लिये भटकते रहते हैं। क्योंकि शासन की योजना के तहत इन वृद्धों की पेंशन राशि का भुगतान के लिये उनके खाते आधार से लिंग किये गये है। मगर अनेक वृद्धजनों के अब भुगतान मशीन में फिंगर सही रूप से नही आने के कारण पेंशन राशि के भुगतान से बंचित हो रहे है। इस प्रकार से वृद्धजनों की बीते हुये कई महिनों से पेंशन राशि बैक खातों में ही पड़ी है और उसका हितग्राही कोई लाभ नही ले पा रहे है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कागजों के हिसाब से तो नियुक्त है स्वास्थ्य कर्मी, मगर केन्द्रों पर होते हैं दर्शन दुर्लभ

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी।

तहसील क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में अनेक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापति किये गये है, मगर यदि ईमादारी से देखा जावे तो इन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ चरमरा रही है? एक तरफ मौसमी बीमारियों का प्रकोप है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कमी नर्स व मलेरिया वर्कर अपने मुख्यालय से गायब रहतें है, ऐसे में शासन की प्रमुख योजना टीकाकरण का क्या होगा भगवान ही जाने...। शायद इस सच्चाई का विभाग के पास इसका जवाब नही है...? वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस समय चल रहे बारिश के दौरान फैल रही मौसमी बीमारियों में वायलर फीवर, दस्त उल्टी, सर्दी जुकाम, घबराहट आदि के मरीजों की संख्या बढ रही है? उपचार के दौरान मलेरिया परीक्षण के लिए जो रक्त पाट्रिकाएँ बनाई जाती है, उसका समय सीमा में परीक्षण न होने से उपचार प्रक्रिया लंबित हो जाती है..? जब जॉच के दौरान मरीज का मलेरिया पॉजीटिव निकलता है तो उसको सूचना एवं दवाइयाँ भी उपलब्ध नही कराई जाने के प्रकरण भी सामने आये दिन आते हुए देखे जाते है? क्योंकि जब तक परीक्षण रिपोर्ट गाँव तक पहुँचती है, तब तक रोगी ठीक हो जाता है अथवा बड़े अस्पतालों में उपचार के लिए पहुँच जाता है। बताया जाता है कि इस प्रकार से ग्रामीण क्षेत्रों से लाई रक्त पाट्रिकाओं को बिना जॉच के निगोटिव बता दिया जाता है, जब मरीज ठीक नही होता है तो वह फिर से निजी स्तर पर जांच करवाता है तो उसे मलेरिया पाया जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल सकती है जहां पर प्रसूताओं व शिशुओं के लिए टीकाकरण में भी लापरवाही बरतना यह आम बात बन चुकी है। वही गॉवों में प्रसूताओं को नर्से बजाय शासकीय दवाएँ उपलब्ध कराने के बाजार की दवाएँ मगवाना आम बात बन चुकी है..? जबकि राज्य से लेकर केन्द्र सरकार का कहना है कि अस्पातालों के भण्डारण में सभी आवश्यक दवाएँ उपलब्ध है। प्रसूताओं एवं रोगियों के लिए ये दवाएँ गॉवों में पहुँच रही है तो पता नही चल रहा है कि ये शासकीय दवाएँ कहा पहुँच रही है? नर्से व स्वास्थ्य सेवक नकली दस्तावेज मुख्यालय को पेशकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री करतें है, प्रसूता के परिजन को नर्से बड़ी चतुराई से इंजेक्सन दवाओं का पर्चा थमाकर दवाएँ बाहर से मँगवा लेती है, और सबूत न रहे इसलिए पर्चा बड़ी चतुराई से वापस लेकर फाड़ भी देती है।

नगर में कलेक्टर का आदेश साबित हो रहा बेअसर, नर्मदा तटों पर मछली मारने से लेकर खुलेआम हो रही विक्रय..

हरिभूमि न्यूज/साईखेड़ा/ गाडरवारा। प्रतिवर्ष देखा जाता है कि 15 जून से 16 अगस्त तक के लिए नदी नालो सहित अन्य नदियों में मछली के शिकार पर जिला दंड अधिकारी द्वारा प्रतिबंध लगा दिया जाता है। कुछ इसी प्रकार से इस वर्ष भी जिला कलेक्टर द्वारा आदेश जारी करते हुये संपूर्ण जिले में मछली मारने से लेकर विक्रय पर प्रतिबंध आदेश तो जारी कर दिया गया है। मगर उस आदेश को पालन होते हुये कही दिखाई नही देने से यह प्रतीत होने से नही चूक पा रहा है कि शायद स्थानीय स्तर पर बैठे अधिकारियों की नजरों में जिला दंड अधिकारी का आदेश कोई महत्व नही रखता है या फिर जिला स्तर से जारी हुआ यह आदेश मात्र कागजों की खानापूर्ति करते हुये अखबरों की खबरों तक सीमित होकर रहे गया है? क्योंकि जब जिला दंड अधिकारी द्वारा कोई आदेश जारी किया जाता है तो उसका पालन करने की जिम्मेदार अनुविभागीय अधिकारी से लेकर तहसीदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित पुलिस विभाग की होती है। कुछ इसी प्रकार से मत्स्यआखेट यानि की मछली मारने व विक्रय करने के आदेश को जारी हुई पूरे दस दिन का समय बीते जाने के बाद भी कार्यवाही होते हुये दिखाई नही देने से जहां नगर सहित क्षेत्र की नदियों में खुलेआम मछली मारने के साथ विक्रय होते हुये देखा जा रहा है। जबकि जिला कलेक्टर द्वारा जारी किये गये आदेश के अनुसार मध्यप्रदेश राज्य में म.प्र नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3 की उप धारा (2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है। इस बंद ऋतु अवधि में मत्स्याखेट पूर्णतरू प्रतिबंधित रहेगा तथा इस अवधि में अवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन एवं मत्स्य क्रय. विक्रय न करें और ना ही इस कार्य में करना पूर्णरूप से निषेध रहेगा। प्रदेश शासन के मछली पालन विभाग के अनुसार छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया है तो उक्त प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। उपरोक्त नियमों के उल्लंघन पर मध्यप्रदेश मत्स्योद्योग अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघन कर्ता को एक वर्ष तक का कारावास या पांच हजार रूपये तक का जुर्माना या दोनों से दंडित किये जाने का प्रावधान है। इस प्रकार से जिला कलेक्टर ने उपरोक्तानुसार अधिसूचना जारी करते हुए इस अधिसूचना के माध्यम से सर्व संबंधितों एवं मछली व्यवसाय से संबंधित सभी व्यक्तियों को सूचित किया है कि वे इस अवधि में किसी प्रकार का अवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन एवं मत्स्य क्रय. विक्रय न करें और ना ही इस कार्य में अन्य को सहयोग दें, अन्यथा उल्लंघनकर्ता के विरूद्ध शासन के नियमानुसार कार्रवाई की जावेगी। बाजार हाटों में उक्त अवधि में मत्स्य विक्रय पूर्ण प्रतिबंधित रखने के निर्देश संबंधित नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिये गये हैं। संबंधित अधिकारियों को इस बारे में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। 16 जून से मछलियों का प्रजनन काल प्रारंभ होने के कारण प्रतिबंध होता है जिसके चलते मछली मारने व विक्रय करने पर प्रतिबंध लगा हुआ है। मगर इसके बाद भी कार्यवाही नही होने के कारण नगर में जहां तहां खुलेआम मछली विक्रय होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर गाडरवारा की शक्कर नदी से लेकर सांईखेड़ा, चीचली, सालीचौका के आलवा क्षेत्र की नर्मदा नदी में खुलेआम मछलियों का शिकार होते हुये देखा जा रहा है।

खबर संक्षेप

स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान, जमुना कालरी स्कूल में बच्चों को सिखाए स्वच्छता के गुर

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद पसान के तत्वावधान में शनिवार को शासकीय प्राथमिक विद्यालय जमुना कालरी में 'स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के तहत विशेष स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राम अवध सिंह एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशांक आर्मो के निर्देशानुसार सहयोगी संस्था शुभम सेवी संस्थान के कार्यकर्ताओं ने विद्यार्थियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा और हाथ धोने के सही तरीके की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। संस्था के सदस्यों ने बच्चों को समझाया कि स्वच्छता केवल किसी विशेष दिन या अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना जरूरी है। बच्चों को विद्यालय, घर और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। बरसात के मौसम में संक्रमण एवं विभिन्न मौसमी बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए विद्यार्थियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई। बच्चों को बताया गया कि साफ पानी का उपयोग, आसपास गंदगी न होने देना और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही भोजन करने से पहले हाथों को अच्छी तरह धोने की आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच सामूहिक हाथ धुलाई का प्रशिक्षण भी कराया गया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने प्रायोगिक रूप से बच्चों को समझाया कि केवल पानी से हाथ धोना पर्याप्त नहीं है। साबुन अथवा हैंडवॉश का इस्तेमाल करते हुए हथेलियों, हाथों की ऊपरी सतह, उंगलियों के बीच, नाखूनों और कलाइयों को अच्छी तरह रगड़कर साफ करना चाहिए। बच्चों को लगभग 20 से 30 सेकंड तक हाथ धोने की सही प्रक्रिया बताई गई। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण एवं शुभम सेवी संस्थान के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हाथ धोने की प्रक्रिया सीखी और अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने का संकल्प लिया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने कहा कि बच्चों को छोटी उम्र से ही स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी अच्छी आदतों के प्रति जागरूक किया जाए तो इसका सकारात्मक प्रभाव उनके परिवार और समाज तक पहुंचता है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कचनारी पेट्रोल पंप के पास हुआ दर्दनाक हादसा

डिंडौरी–मंडला मार्ग पर भीषण सड़क हादसा

आमने-सामने भिड़ीं दो बाइकें, तीन युवकों की मौत

डिंडौरी। जिले के डिंडौरी–मंडला मुख्य मार्ग पर शनिवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दर्दनाक दुर्घटना कचनारी गांव स्थित पेट्रोल पंप के समीप हुई, जहां तेज रफ्तार से आ रही दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों मोटरसाइकिलें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे में तीनों बाइक सवारों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस मृतकों की शिनाख्त कराने के साथ ही उनके परिजनों को सूचना देने की कार्रवाई कर रही है।हादसे के चलते कुछ समय तक डिंडौरी–मंडला मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद सामान्य कराया। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही सामने आ रही है। पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कर दुर्घटना के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच कर रही है।पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने, यातायात नियमों का कड़ाई से अनुसरण करने तथा सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

सरपंचों की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों में तेजी लाने और स्वच्छता पर जोर

डिंडौरी। जनपद पंचायत करंजिया के सभागार में शनिवार को सरपंचों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों में संचालित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।बैठक में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियम-2026 की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं, "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नशा मुक्ति की शपथ लेकर समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

समीक्षा के दौरान पांचवें एवं पंद्रहवें वित्त आयोग, जनपद एवं जिला स्तर की राशि से स्वीकृत आंगनवाड़ी भवन, पंचायत भवन, सामुदायिक भवन सहित अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने सरपंचों को सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए।बैठक में बीबी रामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई तथा पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ समय पर पहुंचाने पर जोर दिया गया। साथ ही ग्राम पंचायतों में स्वच्छता बनाए रखने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी ढंग से लागू करने और जनसहभागिता बढ़ाकर स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण तैयार करने का आह्वान किया गया।बैठक में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जनपद पंचायत करंजिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षय डिगरसे, सहायक यंत्री कशिश नायक, जनपद सदस्य मधुबन धुर्वे तथा जनपद पंचायत करंजिया अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों के सरपंच उपस्थित रहे।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर पर डिंडौरी में छात्रों ने मनाया जश्न

रानी अवंती बाई चौक पर पटाखे फोड़े, मिठाई बांटी छात्रों ने इसे संघर्ष की जीत बताया

डिंडौरी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर सामने आने के बाद शनिवार को डिंडौरी जिले में छात्र संगठनों ने खुशी का इजहार किया। छात्रों ने रानी अवंती बाई चौक पर एकत्रित होकर पटाखे फोड़े, एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और नारेबाजी करते हुए इसे छात्रों के लंबे संघर्ष की जीत बताया।गौरतलब है कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर विभिन्न छात्र संगठन लंबे समय से जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे थे। इसी क्रम में दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र संगठनों द्वारा धरना, प्रदर्शन और भूख हड़ताल जैसे आंदोलन भी किए जा रहे थे। इस आंदोलन को देश के विभिन्न राज्यों से भी समर्थन मिला और कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए।

शनिवार को इस्तीफे की खबर सामने आने के बाद डिंडौरी के छात्र संगठनों में उत्साह का माहौल दिखाई दिया। बड़ी संख्या में छात्र रानी अवंती बाई चौक पहुंचे, जहां उन्होंने खुशी का इजहार करते हुए पटाखे फोड़े और मिठाई वितरित की। छात्र नेताओं ने कहा कि यह छात्रों की एकजुटता और लोकतांत्रिक तरीके से किए गए आंदोलन का परिणाम है।छात्र प्रतिनिधियों का कहना है कि नीट पेपर लीक जैसी घटनाओं ने लाखों विद्यार्थियों के भविष्य और प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने मांग की कि मामले के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाया जाए।छात्र संगठनों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल जवाबदेही तय कराना नहीं, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और विद्यार्थियों का विश्वास मजबूत करना भी है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

पतंजलि योग समिति की मासिक बैठक संपन्न योग कक्षाओं के विस्तार पर बनी रणनीति

डिंडौरी। पतंजलि योग समिति एवं उसके पांचों संगठनों की मासिक बैठक रविवार को किशोरी की बगिया में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, सदस्य एवं योग साधकों ने भाग लेकर संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की।बैठक में योगऋषि स्वामी रामदेव एवं आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण के "स्वस्थ भारत–समृद्ध भारत" अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से वार्ड, ब्लॉक और पंचायत स्तर तक नियमित योग कक्षाओं का विस्तार करने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि योग और आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार से अधिक से अधिक लोगों को स्वस्थ एवं निरोगी जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

बैठक में सायंकालीन योग कक्षाएं प्रारंभ करने, 21 दिवसीय डायबिटीज क्योर शिविर तथा 21 दिवसीय फैट एंड ग्लो शिविर आयोजित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा गुरुपूर्णिमा महोत्सव एवं आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस के अवसर पर वृक्षारोपण और यज्ञ कार्यक्रम की रूपरेखा भी तय की गई।पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने, भारतीय सनातन चिकित्सा पद्धति, आयुर्वेद तथा प्राकृतिक जीवन शैली के प्रति लोगों को जागरूक करने

और समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने का संकल्प लिया।बैठक की अध्यक्षता पतंजलि योग समिति के संरक्षक पी.एन. अवस्थी ने की। इस अवसर पर भारत स्वाभिमान के संरक्षक एन.एस. पटेल, महिला पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी ममता शुक्ला, रेखा सोनी, सविता सिहारे, राजश्री बिलैया, राजेश वर्मन, राकेश सिहारे, गणेश सोनी, शरद छावड़ा, अनिल अवधिया सहित अन्य पदाधिकारी एवं योग साधक उपस्थित रहे। अंत में भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी रत्नेश बिलैया ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

नशा मुक्ति अभियान से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डिंडौरी।जिले में संचालित "नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" अभियान के तहत शनिवार को 29 जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक आशीष खरे के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य युवाओं और आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर नशामुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाना है।अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों, ग्राम पंचायतों, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों, साप्ताहिक हाट-बाजारों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें महिला एवं बाल विकास विभाग के शौर्य दल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं, ग्राम एवं नगर सुरक्षा समिति के सदस्य, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रमों के दौरान जनजागरूकता रैलियां निकाली गईं, नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा जनसंवाद, पोस्टर और पम्पलेट वितरण के माध्यम से लोगों को नशे के सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। एलईडी स्क्रीन, प्रचार बोर्ड तथा कचरा संग्रहण वाहनों पर लगाए गए लाउडस्पीकर के माध्यम से भी नशामुक्ति का संदेश प्रसारित किया गया। विद्यालयों एवं ग्राम सभाओं में विद्यार्थियों, युवाओं और महिलाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया, वहीं वाहन चालकों को नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की समझाइश दी गई।अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेखा धर्मेन्द्र सिंह, डीएसपी महिला सुरक्षा पुरुषोत्तम मरावी, एसडीओपी डिंडौरी सतीश द्विवेदी, थाना प्रभारी कोतवाली, थाना प्रभारी यातायात सहित अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर नागरिकों से नशे के विरुद्ध जनआंदोलन को मजबूत बनाने की अपील की।पुलिस विभाग के अनुसार अभियान के माध्यम से जिलेभर में लगभग 30,420 नागरिकों को नशामुक्ति का संदेश देकर जागरूक किया गया। जिला पुलिस ने लोगों से स्वयं नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

जंतर-मंतर प्रकरण के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

शहपुरा।

नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर पेपर लीक मामले में न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं पर कथित पुलिस कार्रवाई तथा इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य सांसदों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में शुक्रवार को युवा कांग्रेस और वरिष्ठ कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पेपर लीक प्रकरण में न्याय की मांग कर रहे छात्र-छात्राओं के शांतिपूर्ण आंदोलन पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया गया। साथ ही, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रधानमंत्री आवास के समक्ष प्रदर्शन कर रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं अन्य सांसदों को हिरासत में लिया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताया गया।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने मांग की कि छात्र-छात्राओं पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि किसी स्तर पर अनियमितता या दोष पाया जाता है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की भी मांग की गई। ज्ञापन में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग भी दोहराई गई।ज्ञापन सौंपने के दौरान युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमन पाठक, राजेंद्र गुप्ता, रघुनंदन पांडेय, नान सिंह मरकाम, लालू झारिया, कमल झारिया, रमेश चंदेल, शुकीराम, हर्षित तिवारी, पंचू सिंह, रतिराम, गंगाराम, प्रभात झारिया, ललित श्रीवास्तव सहित युवा कांग्रेस एवं वरिष्ठ कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग के प्रदर्शन में डिंडौरी प्रदेश में अव्वल, कई श्रेणियों में मिला प्रथम स्थान

डिंडौरी।

शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में डिंडौरी जिले ने प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन, नियमित समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग के चलते जिले ने यू-डाईस, अपार आईडी एवं कक्षा-1 नामांकन सहित कई श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।शिक्षा विभाग के अनुसार यू-डाईस (यूडीआईएसई) स्टूडेंट्स प्रोग्रेशन की ऑनलाइन फीडिंग का कार्य जिले में शत-प्रतिशत पूर्ण किया गया, जिसके आधार पर डिंडौरी को प्रदेश में पहला स्थान मिला। वहीं शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की अपार आईडी (APAAR ID) तैयार करने के कार्य में भी जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रदेश के 322 विकासखंडों में अपार आईडी निर्माण की प्रगति के आधार पर डिंडौरी जिले का मेंहदवानी विकासखंड प्रदेश में प्रथम तथा शहपुरा विकासखंड द्वितीय स्थान पर रहा। इससे जिले के शिक्षा विभाग के कार्यों को प्रदेश स्तर पर नई पहचान मिली है।कक्षा-1 में नामांकन के क्षेत्र में भी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। पिछले वर्ष 11,794 विद्यार्थियों

के नामांकन की तुलना में इस वर्ष 12,615 विद्यार्थियों का प्रवेश दर्ज किया गया, जो 107 प्रतिशत उपलब्धि के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा।जिले की इस उपलब्धि पर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने शिक्षा विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि नियमित समीक्षा, सतत मॉनिटरिंग और टीमवर्क के कारण यह सफलता संभव हो सकी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक एवं जिला प्रोग्रामर द्वारा प्रतिदिन रिपोर्ट के आधार पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा और तकनीकी समस्याओं के त्वरित निराकरण की सराहना की। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए जिले के उत्कृष्ट प्रदर्शन को भविष्य में भी बरकरार रखा जाए।

डिंडौरी में आम आदमी पार्टी ने संगठन विस्तार पर दिया जोर, कार्यकारिणी बैठक में बनी रणनीति

डिंडौरी। आम आदमी पार्टी (आप) जिला डिंडौरी की मासिक जिला कार्यकारिणी बैठक शनिवार को स्थानीय रेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर से पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की।बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पार्टी की सक्रियता बढ़ाने तथा प्रत्येक गांव और वार्ड में संगठनात्मक ढांचा मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही अधिक से अधिक नए सदस्यों को जोड़ने और जनसंपर्क अभियान को गति देने की रणनीति तैयार की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, पेयजल और भ्रष्टाचार जैसे जनहित के मुद्दों को लगातार उठाती रही है और आगे भी आम जनता की आवाज बनकर कार्य करती रहेगी। कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा पार्टी की

नीतियों और कार्यक्रमों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।बैठक में आगामी दिनों में व्यापक सदस्यता अभियान, जनसंपर्क कार्यक्रम तथा विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलनात्मक गतिविधियां आयोजित करने पर भी सहमति बनी। अंत में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को जिले के प्रत्येक गांव और वार्ड तक मजबूत करने तथा आम जनता के बीच पार्टी की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष (एसटी विंग) झनकलाल टेकाम, जिला अध्यक्ष एडवोकेट निर्मल कुमार साहू, जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट विनय कुमार झारिया, सुदीव माधवी, दिलीप कुमार धनंजय एवं कामराज परस्ते, जिला सचिव प्रहलाद परस्ते, जिला सह सचिव एडवोकेट कैलाश मरावी, जिला मीडिया प्रमुख लीलाराम साहू, सोशल मीडिया प्रभारी शारदा नामदेव, एसटी विंग जिला अध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र कुशराम, जिला प्रवक्ता सुनील मरावी एवं एडवोकेट हिरेंद्र सिंह, विधानसभा शहपुरा अध्यक्ष दिलीप कुमार झारिया, विकासखंड मेहदवानी किसान विंग अध्यक्ष सुनील साहू सहित साहिल सोनी, चंद्रिका सोनी, रामेश्वर दुबे, पप्पू सोनी, मनोज साहू एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, रविवार 26 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना में तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र गोटेगांव अंतर्गत कमती इमलिया के पास हुए हृदयविदारक सड़क हादसे में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन मजदूरों की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। मृतकों की पहचान खीर सिंह पटेल उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम घुरपुर थाना सुआतला, शिवम ठाकुर पिता दशरथ ठाकुर निवासी गुंजी पिपरसरा थाना गोटेगांव तथा प्रहलाद सिंह पटेल उम्र 41 वर्ष के रूप में हुई है। तीनों मजदूरी के लिए घर से निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नरसिंहपुर-गोटेगांव मार्ग में कमती इमलिया के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। दुर्घटना में मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही गोटेगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

कठपुतली एवं नुक्कड़ नाटक से किया गया जागरूक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा करेली क्षेत्र में नशामुक्ति को लेकर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पीएम श्री कन्या शाला, संदीपनी विद्यालय तथा बरमान चैराहा पर आकर्षक कठपुतली एवं नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। कलाकारों ने नशे के दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से मंचित कर विद्यार्थियों एवं आमजन को नशे से दूर रहने और स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक जीवन अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं उपस्थित नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, पुलिस विभाग करेली, नगर पालिका करेली, विद्यालयों के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। सभी ने अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता कर नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। यह जनजागरूकता अभियान समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने की दिशा में एक प्रभावी एवं प्रेरणादायी पहल साबित हो रहा है।

कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जिद के कारण बच्चों को अपनी जान गंवाना पड़ी और और दिल्ली में हुए लाठी चार्ज के कारण सैकड़ो बच्चे घायल हुए। यदि प्रधानमंत्री शिक्षा मंत्री को कैबिनेट से अलग कर देते और पेपर लीक के मुद्दे को गंभीरता से लेते तो इस आंदोलन बचा जा सकता था। देश की बिगड़ी स्थिति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिम्मेदार है। सभी ने कहा पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों और महिलाओं आदि समस्याओं मुद्दों को लेकर कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। कांग्रेस नेताओंने कहा कि देश की स्थिति बिगड़ रही है युवा हताश है। किंतु वह अब सरकार की लापरवाही अनियमिताओं, भष्टाचार और शिक्षा विरोधी नीतियों को बर्दाश्त नहीं करेगा। शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष साहू ने बताया कि इस मौके पर बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं सभी प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों के साथ किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने की दिशा में शनिवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण कर हरियाली का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक आवश्यक उनका संरक्षण और नियमित देखभाल है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधे की जिम्मेदारी ले, तो जिले को हराभरा बनाने का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। नगरपालिका परिषद नरसिंहपुर द्वारा आयोजित वृहद पौधारोपण अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय हाई स्कूल तलापार एवं उत्कृष्ट विद्यालय छात्रावास परिसर में छात्र-छात्राओं के साथ पौधारोपण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी को लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प दिलाया। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, छाया और बेहतर पर्यावरण का उपहार देगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने लगाए हुए पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षित रखें और दूसरों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले के शासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक परिसरों में फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का व्यापक स्तर पर रोपण कराया जाए। साथ ही खुले स्थानों पर पीपल एवं बरगद जैसे दीर्घायु और छायादार वृक्ष लगाए जाएं तथा उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

स्कूल वाहनों की सघन जांच, दो वाहनों पर किया चालान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कलेक्टर श्रीमति रजनी सिंह के मार्गदर्शन में जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल द्वारा करेली नगर में संचालित पीडीएस स्कूल, कार्मेल स्कूल, माउंट लिटेरा स्कूल, सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल एवं ज्ञान सागर स्कूल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूल वाहनों के संचालन संबंधी जारी दिशा-निर्देशों एवं मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के पालन की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान सभी स्कूल संचालकों को विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्कूल वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, बीमा, परमिट तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज समय-सीमा के भीतर अद्यतन रखने के लिए भी कहा गया। जांच के दौरान वाहन क्रमांक एम.पी. 35 टी. 0363 का फिटनेस प्रमाण-पत्र एवं बीमा नियमानुसार वैध नहीं पाए जाने पर संबंधित वाहन पर 6,000 रुपये का चालान किया गया। वहीं वाहन क्रमांक एम.पी. 05 पी. 0176 बिना वैध फिटनेस प्रमाण-पत्र के संचालित पाए जाने पर 5,000 रुपये का चालान किया गया। जिला परिवहन अधिकारी श्री गढ़पाल ने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। स्कूल वाहनों की जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भगवान जगन्नाथ अपने धाम लौटे, श्रीनगर में उमड़ा जनसैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने रथ खींचा

नरसिंहपुर। जिले की गोटेगांव तहसील के श्रीनगर में आज आस्था, परंपरा और संस्कृति का अद्भुत संगम दिखा। नौ दिनों तक मौसी के घर विराजमान रहने के बाद भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भव्य रथयात्रा के साथ अपने धाम लौटे। सुबह से ही श्रद्धालु श्रीनगर पहुंचने लगे। पूरे गांव में भक्ति का वातावरण था—हर ओर ₹जय जगन्नाथ₹ के जयघोष सुनाई दे रहे थे। सुबह से ही मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना, वैदिक मंत्रोच्चार और आरती का क्रम शुरू हुआ। भगवान का विशेष श्रृंगार हुआ। रंग-बिरंगे पुष्पों और पारंपरिक वस्त्रों से सजे भगवान के दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। महिलाएं पूजा की थाल लेकर आती रहीं, बच्चे उत्साहित, बुजुर्ग भावविभोर। रथयात्रा शुरू होने से पहले पूरे मार्ग को फूलों, ध्वज-पताकाओं और पारंपरिक सजावट से सजाया गया। घरों के बाहर रंगोलियां बनीं, और जैसे ही भगवान का रथ आगे बढ़ा, हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ रथ की रस्सी थाम ली। ढोल-नगाड़ों, शंखध्वनि, और भजन-कीर्तन के बीच पूरा श्रीनगर भक्तिमय हो उठा। लोगो का विश्वास है कि रथ खींचने से पुण्य की प्राप्ति होती है। रथ गांव के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा, जगह-जगह पुष्पवर्षा हुई, आरती उतारी गई और प्रसाद वितरित किया गया। सभी आयु वर्ग के लोग इस यात्रा में शामिल हुए। पूरा गांव एक विशाल धार्मिक उत्सव में बदल गया। मंदिर पहुँचने के बाद भगवान जगन्नाथ की सात परिक्रमा कराई गई। श्रद्धालुओं ने हाथ जोड़कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। स्थानीय परंपरा के अनुसार इस रथयात्रा को ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी के मार्गदर्शन से विशेष स्वरूप मिला, और आज भी उसी श्रद्धा और विधि-विधान से निभाया जाता है। रथयात्रा के साथ पारंपरिक मेला भी लगा, जहां दुकानों में रौनक, बच्चों में उत्साह और परिवारों में आनंद दिखाई दिया। पूरे आयोजन में सेवा, अनुशासन और आपसी सहयोग की भावना साफ दिखाई दी। भगवान जगन्नाथ के अपने धाम लौटने के साथ नौ दिनों तक चला यह धार्मिक उत्सव संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने कामना की कि क्षेत्र में सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा और खुशहाली बनी रहे। वर्षों से चली आ रही यह रथयात्रा क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी यह संदेश देती है कि आस्था और परंपरा आज भी लोगों को एक सूत्र में जोड़ती है। रथ यात्रा में परमहंसी गंगा आश्रम से अनेक संत जन की उपस्थिति रही

किसान को ई-टोकन, ई-टोकन बुकिंग में हर स्तर पर मिलेगा सहयोग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। किसानों को उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मप्र शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन ने ई-विकास (वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देश पर अब जिले में ई-टोकन प्राप्त करने में आ रही समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। इस उद्देश्य से पूर्व में 9 मार्च 2026 को पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में जिला स्तरीय व्यापक प्रशिक्षण आयोजित किया गया था, जिसमें पटवारी, रोजगार सहायक, सचिव, समिति प्रबंधक, समिति ऑपरेटर, डबल लॉक केंद्र के ऑपरेटर, कृषि विस्तार अधिकारी एवं ग्रा.उ.वि.अधि. को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को समय पर ई-टोकन उपलब्ध कराना एवं उर्वरक वितरण प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाना था। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आदेश जारी कर निर्देश दिए हैं कि जिन किसानों को ई-टोकन बुक करने में कठिनाई आ रही है, उनके लिए पटवारी, रोजगार सहायक, सचिव, समिति प्रबंधक, समिति ऑपरेटर, डबल लॉक केंद्र के ऑपरेटर, कृषि विस्तार अधिकारी एवं ग्रा.उ.वि.अधि. सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र किसान ई-टोकन से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन की इस पहल से अब किसानों को ई-टोकन प्राप्त करने में सहूलियत मिलेगी और उर्वरक वितरण व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

35 गैस सिलेंडर एवं 20 लीटर पेट्रोल जब्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले के बरमानकला में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध गैस सिलेंडर भंडारण एवं पेट्रोल की खुली बिक्री के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में गैस सिलेंडर एवं पेट्रोल जब्त किया। कार्रवाई के दौरान बरमानकला स्थित ऑटो पार्ट्स की दुकान के संचालक संदीप जैन की दुकान में घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण पाया गया। मौके से 26 घरेलू गैस सिलेंडर (14 किलोग्राम), एक कमर्शियल गैस सिलेंडर (19 किलोग्राम), सात गैस सिलेंडर (5 किलोग्राम) तथा एक गैस सिलेंडर (2 किलोग्राम) जब्त किए गए। इस संबंध में आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान में 20 लीटर पेट्रोल भी खुली बिक्री के उद्देश्य से रखा हुआ पाया गया, जिसे मौके पर जब्त करते हुए अलग से प्रकरण निर्मित किया गया। यह कार्रवाई खाद्य विभाग के संयुक्त दल द्वारा की गई, जिसमें सहायक आपूर्ति अधिकारी श्रीमती आभा शर्मा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी शंकर पटेल एवं सुश्री रंजना सिंह शामिल रहीं। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण एवं ज्वलनशील पदार्थों की अनधिकृत बिक्री के विरुद्ध जिले में अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कीचड़ और गिट्टी से फिसल रहे बच्चे, अभिभावकों ने की तत्काल सफाई की मांग

गोटेगांव। नगर के नव निर्मित सीएम राइस स्कूल भवन के आसपास निर्माण कार्य के कारण मलवा, गिट्टी और कीचड़ फैला हुआ है, जिससे छात्र-छात्राओं को स्कूल आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है।बारिश के कारण परिसर दलदल में तब्दील हो गया है। कई छात्र-छात्राएं फिसलकर गिर चुके हैं, जिससे उनकी यूनिफॉर्म खराब होने के साथ चोट लगने की घटनाएं भी सामने आई हैं।सबसे अधिक परेशानी इंदिरा कन्या शाला की छात्राओं, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ को हो रही है। अभिभावकों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा समय पर मलवा नहीं हटाया गया, जबकि कई बार शिकायत की जा चुकी है। अभिभावकों ने प्रशासन और शिक्षा विभाग से तत्काल मलवा हटवाकर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने की मांग की है।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रमाण पत्र वितरित किए

तेंदूखेड़ा। विगत वर्ष संपन्न हुई भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा परिणाम इस बार जन्मशताब्दी कार्यक्रम की व्यस्तता के कारण बिलम्ब से प्राप्त हुए थे ।साथ ही मार्च माह में वार्षिक परीक्षा के चलते प्रमाण पत्र बच्चों को वितरित नहीं किये जा सके थे। नवीन शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही जिले भर की शालाओं में तहसील समन्वयक के गायत्री परिजनों के द्वारा प्रमाण पत्र वितरण शुरू किया गया है।तहसील तेंदूखेड़ा में जिला समन्वयक रामकुमार ठाकुर उपजोन प्रतिनिधि वृंदावन पटैल के साथ संतोष नेता विमलेश पटैल मनजीत सिंह भैरव प्रसाद तेजराम संतोष पटैल सरपंच काशीराम राय प्रदीप जोगी वीरेन्द्र सिंह पटेल द्वारका प्रसाद भूपेन्द्र सिंह पटेल तहसील समन्वयक ने तेंदूखेड़ा डोभी इमलिया बिलहरा मानकपुर गुटोरी मदनपुर सर्रा भामा स्कूलों में अलग अलग टीम बनाकर प्रमाण पत्र वितरित करते हुए वृक्षारोपण किया तथा बच्चों को परम पूज्य गुरुदेव वेदमाता गायत्री के बारे में सन्देश दिया।

वेतन न मिलने पर नगर पालिका कर्मचारियों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर पालिका नरसिंहपुर में कार्यरत कर्मचारियों को पिछले तीन माह से मानदेय न मिलने के कारण गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। वेतन भुगतान में हो रहे विलंब और अनिश्चितता को लेकर कर्मियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। कर्मचारियों का आरोप है कि नियमित कर्मियों के जीपीएफ एवं एनपीएस मद की राशि विगत दो वर्षों से खातों में अंतरित नहीं की गई है। इसके साथ ही वेतन वितरण प्रक्रिया में विलंब के कारण एक माह का भुगतान निरंतर लंबित चल रहा है। इस बीच निकाय द्वारा कुछ सफाई कर्मियों को पृथक किए जाने की चर्चाओं से कर्मचारियों का आक्रोश और बढ़ गया है। सफाई कर्मचारियों सहित अन्य कर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि बकाया मानदेय का शीघ्र भुगतान नहीं किया गया और कर्मचारियों को हटाने संबंधी प्रक्रिया पर रोक नहीं लगी, तो वे चरणबद्ध आंदोलन हेतु बाध्य होंगे।

सीएचसी परिसर की जर्जर बिल्डिंग बनी हादसे का खतरा

डिस्मेंटल घोषित होने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, नागरिकों ने उठाई सुरक्षा की मांग

गोटेगांव। शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में स्थित दशकों पुराने भवन और शासकीय क्वार्टर जर्जर हालत में खड़े हैं। संबंधित अधिकारियों द्वारा इन्हें पहले ही डिस्मेंटल घोषित किया जा चुका है, लेकिन अब तक इन्हें हटाने या सुरक्षित करने की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। भवनों की दीवारों में दरारें, छत से प्लास्टर गिरना और कमजोर हो चुकी संरचना के कारण मरीजों, उनके परिजनों तथा अस्पताल कर्मचारियों की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है। बारिश और तेज हवा के दौरान दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़े हादसे से पहले इन जर्जर भवनों को हटाकर अस्पताल परिसर को सुरक्षित बनाया जाए।

महामृत्युंजय नर्मदा सेवा समिति शिव वृक्ष परिवार के द्वारा वृक्षारोपण

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस महामृत्युंजय नर्मदा सेवा समिति एवं शिव वृक्ष परिवार के संयुक्त तत्वावधान में सिमरिया मुख्य मार्ग पर इमलिया तिगड्डा पर करहैया बारह सड़क मार्ग झिरी मुख्य मार्गों पर सड़क के दोनों तरफ वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। एक पेड़ माँ के नाम प्रकृति के सम्मान में प्रकृति प्रेमियों ने बढ़चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई।इस मौके पर पर्यावरण प्रेमियों ने अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में पौधे रोपकर उन्हें अनूठी श्रद्धांजलि देकर जन जागरण किया।इस मौके पर कुंजीलाल पटेल ने अपने पिता की स्मृति में ट्री गार्ड सहित पीपल एवं बरगद का पौधा रोपण किया।संतोष नेता ने अपने पिता की स्मृति में पीपल तरवर पटेल आचार्य ने अपने पिता की स्मृति में बादाम अशोक आचार्य ने अपने पिता की स्मृति में बादाम प्रेम सिंह पटेल ने अपने पिता की स्मृति में बादाम मंजीत पटेल ने अपनी दादी की स्मृति में शीशम का पेड़ लगाया।इस दौरान समिति ने यह संकल्प दिलाया गया कि अपने बुजुर्गों की स्मृति में जन्म दिन वैवाहिक वर्षगांठ और अन्य खुशी के मौकों पर नियमित रूप से वृक्षारोपण करेंगे और उनकी देखभाल का संकल्प लेंगे।इस मौके पर संतोष नेता कुंजीलाल पटेल हरनारायण गंगोलिया मंजीत रामकिशन छोटेलाल सीताराम पटेल तेजराम संतोष सोसायटीवाले मुन्ना लाल सचिव विमलेश नीलेश मुकेश विक्रम पटेल यशवंत राघवेंद्र गंगोलिया मनोज श्रीवास संजय गंगोलिया सहित ग्राम सिमरिया काचरकोना बारह झिरी करहैया इमलिया के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।